



भारत का गज़तपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 263]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 30, 1990/कार्तिक 8, 1912

No 263] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 30, 1990/KARTIKA 8, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 77 आई टी सी (पीएन) /90—93

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1990

विषय : अप्रैल, 1990—मार्च, 1993 के लिए आयात-नियंत्रण नीति।

फा. सं. आई पी सी/4/10(30)/733/79-80/3026—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 1-आई टी सी (पीएन) 90—93, दिनांक 30 मार्च, 1990 के अंतर्गत प्रकाशित अप्रैल, 1990—मार्च, 1993 के लिए यथासंशोधित आयात-नियंत्रण नीति की ओर ध्यान विलाया जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित मंशोधन नीते निर्दिष्ट उपर्युक्त स्थानों पर किए जाएंगे :—

क्रम सं.	आयात-नियंत्रण नीति, 1990-93 (खंड-1) की पृष्ठ संख्या	संदर्भ	संशोधन
1	2	3	4
1	53	अध्याय-13 स्टाक और बिक्री की मद्दें	पैरा 167 में “केवल वाले और “उपर्युक्त उद्देश्य” शब्दों से समाप्त होने वाले वर्तमान छटे वाक्य के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित कि या जाएगा :— “उक्त प्रयोजन हेतु (1) इलायची (छोटी), (2) मसालों के लेल और ओलियो रेजिन और केसर को छोड़कर 500 ग्राम या इससे कम के

1

2

3

4

अनुबंधित उपभोक्ता पैकरों में सभी मसाले/मसाला उत्पाद, (3) रोजामरी, अजवाइन (थाइम), टेरागॉन, तेल इत्यादि जैसी जड़ी बूटी वाले मसाले, (4) बनिला 5 (5) काला जीरा, (6) स्टार एनीसीड, (7) कोकम, (8) लहसून, (9) इलायची (बड़ी), (10) ब्रिशपस्टीड, (11) जीरा, (12) सफेद जीरे का बीज, (13) सौंफ का बीज, (14) मेथी का बीज, (15) सौंफ, (16) सोआ का बीज, (17) हींग, (18) अनार का बीज तथा (19) धोभांजन के नियंत्रित पर ही विचार किया जाएगा।”

3. लोग और दालबीनी/तेजपात के आयात के लिए लाइसेंस देने के संबंध में आणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं 72-आईटी सी (पी एन)/90-93 दिनांक 12 अक्टूबर, 1990 की आर भी ध्यान दिलाया जाता है। पूर्वोक्त सार्वजनिक सूचना दिनांक 12 अक्टूबर, 1990 के पैराग्राफ 2 के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

“इस उपबंध के अंतर्गत लोग और दालबीनी/तेजपात के लिए एक साथ जारी किए गए आयात लाइसेंसों का न्यूनतम मूल्य 5,000 रुपये (पाँच हजार रुपये) होगा। प्रत्येक भद्र के लिए आयात की हककारी का निवारण अलग-अलग किया जाएगा। यदि किसी आयातक ने एक से अधिक भद्रों का आयात किया है तो एक संयुक्त लाइसेंस जारी किया जाएगा लेकिन भद्र तथा प्रत्येक भद्र का मूल्य अलग-अलग निर्दिष्ट किया जाएगा। जिन मामलों में आयातक ने पहले एक से अधिक भद्रों का आयात किया हो तथा प्रत्येक भद्र के 5 प्रतिशत के आधार पर लाइसेंस का मूल्य 5000 रुपये से कम हो तो 5,000 रुपये का एक लाइसेंस जारी किया जाएगा जिसमें 5,000 रुपये के कुल मूल्य में प्रत्येक वस्तु की हककारी के आधार पर उसका अनुपातिक मूल्य निर्दिष्ट किया जाएगा। जहां पहले किसी एक ही वस्तु का आयात किया गया हो वहां केवल उसी वस्तु के लिए आयात लाइसेंस दिया जाएगा जिसका वास्तव में आयात किया गया था। आयातक प्रत्येक भद्र के लिए पृथक-पृथक् आधार अवधि का अध्यन कर सकते हैं। विगत आयातों के आधार पर मसालों के लिए लाइसेंस जारी करने हेतु आवेदन की पात्रता का निवारण करने के लिए काए गए और अनुबंधित गोदामों में रखे गए आयातों और भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड के माध्यम से सरगीवद्वारा भद्रों के उनके द्वारा किए गए आवंटन को हिसाब में नहीं लिखा जाएगा।”

4. आयात और नियंत्रित नीति में उक्त संशोधन लोकहित में किए गए हैं।

तेजेंद्र खज्जा,
मूल्य नियंत्रक (आयात-नियंत्रित)

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE No. 77—ITC(PN)/90—93

New Delhi, the 30th October, 1990

Subject : Import and Export Policy for April 1990—March 1993.

F.No. 1PC/4/10(30)/733/79-80/3026.—Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1990—March 1993 published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)—90-93 dated the 30th March 1990 as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below :

Sl. No.	Page No. of No. Import and Export Policy 1990—93 (Volume I)	Reference	Amendment
1	2	3	4
1.	53	Chapter XIII Items for Stock and Sale	<p>In Paragraph 167. for the existing 6th sentence beginning with the words "Only exports of.....", and ending with the words "above purpose", the following shall be substituted:</p> <p>"Only exports of (1) Cardamom (small) (2) all spices/spice products in approved consumer packs of 500 gms. or less except spice oils and oleoresins and saffron (3) Herbal spices such as rosemary thyme terragon saga etc..</p> <ul style="list-style-type: none"> (4) Vanilla (5) Black cumin (6) Star anise (7) Kokum (8) Garlic (9) Cardamom (large) (10) Bishopsweed (11) Caraway (12) Cumin seed (13) Fennel seed. (14) Fenugreek seed. (15) Aniseed. (16) Dill seed. (17) Asafoetida (18) Pomegranate seed, and (19) Horse-radish will be taken into account for the above purpose."

3. Attention is also invited to the Ministry of Commerce Public Notice No.72-ITC(PN)/90—93 dated the 12th October 1990 regarding grant of licences for import of Cloves and Cinnamon/Cassia. In paragraph 2 of the aforesaid Public Notice dated the 12th October 1990 the following shall be added at the end :

"Import licences for Cloves and Cinnamon/Cassia taken together issued under this provision will have a minimum value of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand). Import entitlement for each item will be

worked out separately. If any importer has imported more than one item, one combined licence will be issued but the item and value for each item would be indicated separately. In cases where the importer had past imports for more than one item and value of the licence on the basis of 5 per cent of each of the item works out to less than Rs. 5,000/- a licence Rs. 5,000/- will be issued indicating the proportionate value of each item worked out on the basis of their entitlement within the overall value of Rs. 5,000/-. Where the past import was for any one of the items import licence will be granted only for the item which was actually imported. The importer can choose separate base period for each item. For determining the entitlement of the applicant for grant of licence for spices based on past imports, imports made and kept in bonded warehouse and allotment by the State Trading Corporation of India Limited when the items were canalised through them in the past will not be taken into account.

4. The above amendments in the Import and Export Policy have been made in public interest.

TEJENDRA KHANNA,
Chief Controller of Imports & Exports.